वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 346 | शनिवार 15 अप्रैल 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

खालसा पंथ का साजना दिवस

गुरूद्वारों में रही बैसाखी की धूम

सजे कीर्तन दीवान समाज के लोगों ने टेके मत्थे, चखा लंगर

जयपुर. शाबाश इंडिया

शुक्रवार को जयपुर के सिख समाज द्वारा शहर के गुरुद्वारे में बैसाखी का पर्व बड़े ही धूम धाम से मनाया गया। इसके तहत कई आयोजन किये गए। राजस्थान सिख युथ विंग के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह 'संटी' ने बताया कि सुबह अमृतकाल से ही समाज के लोगों द्वारा नित नेम के पाठ, सुखमनी साहेब के पाठ जगह - जगह शब्द कीर्तन और लंगर लगाए गए। गुरु गोविन्द सिंह पार्क गुरुनानकपुरा के गुरुद्वारे में सिख समाज ने कीर्तन दीवान सजाए। इस कार्यक्रम में आशा की वार कीर्तन के लिए हिमाचल प्रदेश से आये रागी जत्थे भाई कमलदीप सिंह एवं भाई तनमीत सिंह ने गुरुवाणी एवं अपने शब्द कीर्तन से निहाल किया। पंजाब से आये दाढ़ी जत्थे भाई सुखविंदर सिंह के कीर्तन के साथ साहेब सिंह जी का कथावाचन हुआ जिसमें उन्होंने गुरु साहब की जिन्दगी पर प्रकाश डाला और संगत को निहाल किया।

हजारों श्रद्धालुओं ने टेका माथा, चखा लंगर का स्वाद

जयपुर के राजा पार्क स्थित श्री गुरु सिंह साहब गुरूद्वारा कमिटी के गुरमीत सिंह ने बताया कि हर साल गुरूद्वारे में शाम ७ बजे से दीवान सजाये गए। जिसमे रागी जत्थेदारों द्वारा शब्द कीर्तन किये गए। वही हजारों की संख्या में लोग गुरूद्वारे में माथा टेकने पहुंचे। संगत और पंगत की परंपरा को कायम रखते हुए समूचे सिखों ने साथ में लंगर प्रसाद भी चखा। जयपुर के पानी पेच स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सिंह सभा के सूर्य उदय सिंह ने बताया कि गुरूद्वारे में सुबह से ही श्रद्धालु माथा टेकने आते रहे। इसमें वीर रास कीर्तन के लिए दाढ़ी जत्था भाई हरदीप सिंह एवं पटियाला वाले भाई बलजीत सिंह ने हाजिरी भरी। साथ में हजूरी रागी जत्था भाई गुरजीत सिंह नेहरू नगर पानीपेच ने शब्द कीर्तन कर निहाल किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर जयपुर शहर के सांसद रामचरण बोहरा, कालीचरण सर्राफ, अर्चना शर्मा, सुमन शर्मा सहित कई गणमान्य लोगों माथा टेकने पहुंचे। इस कार्यक्रम में राज्यपाल कलराज मिश्र भी आने वाले थे लेकिन उनके कोरोना संक्रमित होने के कारण वे नहीं आ सके। उन्होंने फोन के माध्यम से समाज के सभी लोगों को बैसाखी की बधाई एवं शुभकामनायें दी।

साजना दिवस पर ही खालसे के नाम के पीछे 'सिंह' लगा था

मार्च 1699 से कई महीने पहले, गुरु गोबिंद सिंह जी ने वैशाखी दिवस पर आनंदपुर में एक विशेष मण्डली के लिए पूरे भारत से अपने अनुयायियों को आमंत्रित किया था। नतीजतन, उस विशेष दिन में सैकड़ों श्रद्धालु और दर्शक आनंदपुर साहिब में जमा हो गए थे। सतगुरु गोबिंद सिंह ने खालसा महिमा में खालसा को 'काल पुरख की फौज' पद से निवाजा है। तलवार और केश तो पहले ही सिखों के पास थे, गुरु गोबिंद सिंह ने 'खंडे बाटे की पाहुल' तैयार कर कछा, कड़ा और कंघा भी दिया। इसी दिन खालसे के नाम के पीछे 'सिंह' लग गया। शारीरिक देख में खालसे की भिन्ता नजर आने लगी। पर खालसे ने आत्म ज्ञान नहीं छोड़ा, उस का प्रचार चलता रहा और आवश्यकता पड़ने पर तलवार भी चलती रही। पंजाब, हरियाणा और दिल्ली सहित देश के कई राज्यों में बैसाखी का त्यौहार बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। बैसाखी का त्योहार वैशाख के महीने में मनाया जाता है। वैशाख महीने तक रबी की फसल पक जाती हैं और उनकी अच्छी पैदावार के लिए इस दिन अनाज की पूजा कर, ईश्वर का धन्यवाद किया जाता है। यह पंजाबी विशेषकर सिख समुदाय के लिए बहुत महत्वपूर्ण त्यौहार है। इस दिन समाज के लोग नए कपड़े पहनकर एक दूसरे से मिलते है, बधाई और शुभकामनाएं देते हैं। गुलाबी नगरी में भी वैशाखी पर शहरभर में अनेक आयोजन हुए।

त्रिशला महिला मंडल के तत्वावधान मे वर्षीतप के अराधकों का सामूहिक रूप से किया गया सम्मान

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया।

भीलवाड़ा। वर्षीतप अराधको का महिला मंडल ने समारोह मे किया सम्मान। महिला मंडल की अध्यक्षा कुसुम चपलोत ,तिजेश बापना ने बताया कि दोपहर न्यू आजाद नगर की त्रिशला महिला मंडल के नेतृत्व मे महाप्रज्ञ भवन मे वर्षीतप की तपस्या करने वाले तपस्वी भाई बहनो का समारोहों की सयुंक्त अध्यक्षा स्नेहलता धारीवाल व राजस्थान महिला जैन कॉन्फ्रेंस की नीता बाबेल तथा मुख्य अतिथि लाड कोठारी कांता चौधरी, बसंता डांगी,इन्द्रा बाफना तथा विशिष्ट अतिथियों मे ज्योती पोखरना रोशन देवी मेहता आदि के सानिध्य मे सम्पूर्ण जैन समाज की महिमा मंडलो की उपस्थिति मे तपस्वियों के तप की अनुमोदना करते हुये सम्मान किया गया। सम्मान समारोह के आरंभ मे मंगलाचरण भावना चौधरी रितिका पोखरना तथा लाड़ चौधरी,हंसा चौधरी गुणबाला पौखरना ने स्वागत गीत के माध्यम से तपस्वीयो का स्वागत किया। मंडल बहनो ने नाटिका के मंचन द्वारा वर्षीतप का महत्व बताया गया । सम्मान समारोह का संचालन करते हुये स्नेहलता चौधरी ने बताया की इस दौरान मंडल की शीला चौधरी चंचल सुराणा,मंजु चौधरी,चन्दा कोठारी तथा श्रावक संघ के अध्यक्ष नेमी चन्द सुराणा, मंत्री प्रवीण कोठारी, अनिल चौधरी विमल चौधरीतथा गौतम लब्दी फाउंडेशन मंत्री राजेश बापना दिनेश चंडालिया, अशोक पोखरना,सुरेश सुराणा,प्रकाश चपलोत, सुरेश सूरिया, आदि के साथ सैकड़ों महिलाओं की उपस्थिति मे वर्षीतप की तपस्या करने.वाला के तप की अनुमोदना करते हुये सम्मान किया गया और बताया कि जैन समाज सबसे बड़ा तप वर्षीतप है जो जैन धर्म के प्रथम भगवान आदिनाथ को 13 माह तक भिक्षा के रूप में कुछ नहीं मिला था। तेरस मास के प्रश्चात आखातीज के दिन उनके सुपौत्र श्रेयांस कुमार ने गन्ने का रस पिलाया गया था उसी दिन से जैन समाज सामुहिक रूप से वर्षीतप मनाता है और वर्षीतप करने वालो तपस्वियों को अक्षय तृतीया पर सामूहिख रूफ से पारणा गन्ने के रस द्वारा करवाया जाते है। इस दौरान पोखरना परिवार के सदस्यों ने पक्षीयों के लिये परिंडे वितरण किये।

एयू जयपुर मेराथन में बने रिकॉर्ड

गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल

जयपुर. कासं। 5 फरवरी को आयोजित हुई एयू जयपुर मेराथन में बने रिकॉर्ड गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल हो गए है । एयू जयपुर मेराथन के सीईओ मुकेश मिश्रा ने बताया की विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने 5738 रनर्स जिन्होंने राजस्थानी पगड़ी पहनी थी के साथ रन किया था और डॉक्टर बी आर बगरिया मणिपाल हॉस्पिटल द्वारा 294 घुटने प्रत्यारोपित मरीजों के साथ पांच किलोमीटर का रन किया था और वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए अटेम्पेट किया था जिसे डाटा वेरिफिकेशन के बाद गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल कर उसका प्रमाण पात्र जारी कर दिया गया है। मुकेश मिश्रा ने बताया की इस दो रिकॉर्डस के शामिल होने के साथ एयू जयपुर मेराथन देश की ऐसी पहली मेराथन बन गयी है जिसमे अब तक कुल 17 वर्ल्ड रिकॉर्ड बन चुके है जो की गिनीज बुक , वर्ल्ड बूक ऑफ रिकॉर्ड , गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड में शामिल हो चुके है।

हाशिये पर आज भी टिकी महिलाओं की वर्तमान जिंदगी

हमारे देश में महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए सामाजिक, राजनीतिक, विधिक और प्रशासनिक स्तर पर दावों और वादों में कमी नहीं रही है। लेकिन सच यह है कि आज भी इस दिशा में इतनी कामयाबी नहीं मिल सकी है, जिस पर संतोष किया जा सके।

यदि हम समाज का मूल्यांकन महिलाओं की स्थिति से करे तो पता चल जाएगा हमारे देश की स्त्रियों को क्यूँ अधिकतर अधिकारों से वंचित किया गया है। लैंगिक भेदभाव की जड़े इतनी मजबूत है चाह कर भी महिलाओं को पूर्ण अधिकार नहीं है किसी भी क्षेत्र में। हमारे देश में महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए सामाजिक, राजनीतिक, विधिक और प्रशासनिक स्तर पर दावों और वादों में कमी नहीं रही है। लेकिन सच यह है कि आज भी इस दिशा में इतनी कामयाबी नहीं मिल सकी है, जिस पर संतोष किया जा सके। गौरतलब है कि वैश्विक आर्थिक मंच की अंतरराष्ट्रीय लैंगिक भेद अनुपात रिपोर्ट, 2021 में जिन देशों को बेहद खराब प्रदर्शन करने वाला बताया गया है, उसमें भारत एक है। इसके मुताबिक जिन एक सौ छप्पन देशों में महिलाओं के प्रति भेदभाव की स्थिति का आकलन किया गया, उसमें भारत एक सौ चालीसवें पायदान पर है। हालत यह है कि बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और भूटान जैसे छोटे और कमजोर माने जाने वाले देश भी इस मामले में भारत के मुकाबले काफी बेहतर स्थिति में हैं। अगर कोई समाज किसी समस्या से जूझ रहा है और उसमें सुधार की प्रक्रिया में है, तो कायदे से उसे स्थितियों को क्रमशः बेहतर करने की ओर बढ़ना चाहिए। मगर ताजा रिपोर्ट को संदर्भ माना जाए तो साफ है कि महिलाओं को समान जीवन-स्थितियां मुहैया करा पाने के मामले में तेज गिरावट आई है। पिछले 2 सालो मे महामारी की वजह से आर्थिक मोर्चे पर व्यापक उथल-पुथल रही और इसकी वजह से बहुत सारे लोगों को अपने जीवन-स्तर से समझौता करना पड़ा। लेकिन अगर इस दौर में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं को अवसरों से ज्यादा वंचित होना पड़ा और आर्थिक भागीदारी में कमी आई है तो इसका मतलब यह है कि यहां के समाज में सार्वजनिक जीवन से लेकर कामकाज तक के ढांचे में स्त्रियों के प्रति भेदभाव का रवैया ज्यादा मुखर हुआ है। समाज में किसी तबके के बीच बदलाव की राह इस बात से तय होती है कि मुख्यधारा की राजनीति में उसकी भागीदारी कितनी सशक्त है। अफसोस की बात है कि अंतरराष्ट्रीय लैंगिक भेद रिपोर्ट के मुताबिक भारत में सबसे ज्यादा गिरावट महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण उपखंड में ही आई है। सन 2019 में महिला मंत्रियों का अनुपात जहां करीब तेईस फीसद था, वह इस साल घट कर नौ फीसद के आसपास रह गया है। राजनीतिक ढांचे में इस अफसोसजनक उपस्थिति के रहते बाकी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए कैसी जगह बन सकती है। यह बेवजह नहीं है कि महिला श्रम भागीदारी सहित पेशेवर और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वेतन में विसंगति और शिक्षण में भागीदारी आदि में महिलाओं की भूमिका में काफी कमी आई है। सच यह है कि हर उस क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी काबिलियत साबित की है, जहां उसे मौका मिला है और इसीलिए वे सभी स्तरों पर बराबरी की हकदार हैं। मगर पितृसत्तात्मक पूर्वाग्रह जब समाज से लेकर सत्ता और संस्थानों के व्यवहार और फैसलों तक पर हावी हो तो कई बार काबिलियत भी पिछड़ जाती है। आमतौर पर हर साल वैश्विक अध्ययनों में हमारे देश की महिलाओं की जो तस्वीर उभरती है, वह निराश करने वाली होती है। परिवार, समाज, राजनीति, प्रशासन आदि हर मोर्चे पर लैंगिक भेदभाव का जो अनुपात दिखता है, उससे देश के समग्र विकास की अवधारणा पर सवाल उठते हैं।आज समाज में कुछ विधवा महिलाओं की स्थिति हुई हाशिये पर टिकी हुई है। विधवाओं को अन्य महिलाओं को अच्छी लगने वाली तमाम वस्तुओं का इस्तेमाल मना है। इन्हें दिन में एक बार खाना चाहिए, जमीन पर सोना चाहिए, शुचिता का जीवन बिताना चाहिए और सिर घुटाना चाहिए। भले इन नियमों का अब पालन नहीं होता, पर उनका असर अब भी है। कई विधवाओं ने बताया कि हालांकि कानून के आधार पर उन्हें अपने दिवंगत पतियों की और अपने मां-बाप द्वारा उन्हें दी गई जमीन का मालिक बनने का अधिकार है, पर इससे अक्सर उन्हें वंचित रखा जाता है। उस जमीन के लिए उन्हें मारा जाता है, 'चुड़ैल' घोषित कर दिया जाता है और कई बार उनकी जान भी ले ली जाती है। उन्हें 'अशुभ' समझा जाता है। वृंदावन में गोपियों की जगह विधवाओं ने ले ली है। वे कोठरियों, मंदिरों और धर्मशालाओं के बरामदे पर रहती हैं। कुछ रुपयों या मुट्ठी भर अनाज के बदले दिन भर भजन करती हैं, फूलों की मालाएं बनाती हैं और मंदिरों की सफाई करती हैं। वाराणसी हो या दक्षिणेश्वर-सब जगह यही कहानी है। उन्हें इस बात की उम्मीद रहती है कि उनके परिवार के लोग उन्हें कभी लेने आएंगे, लेकिन ऐसा कभी होता नहीं है। ऐसी महिलाएं जिन्होंने अपना जीवन अपने समुदायों के हाशिये पर रहकर बिताया है, जिनके लिए समानता और स्वतंत्रता अभी भी मायावी विचार हैं, फिर भी जो अपनी विभिन्न दमनकारी परिस्थितियों का सामना करती हैं साहस, धैर्य और गरिमा के साथ। इनकी ताकत हैरान करने वाली होती है पर कई जगह उनके साथ अभद्र व्यवहार उनके मन में परतंत्रता की बेड़ियाँ डाल रखी है। कब उबर पाएगी वो सभी स्त्रियाँ मानसिक शारीरिक यातनाओं से? आज भी यही सवाल रहेगा।

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

श्रुतार्चना महोत्सव में डेढ़ सौ पुस्तकों का प्रकाशन

इसमें आचार्य सुविधिसागर द्वारा रचित और अनुवादित ग्रंथ शामिल हैं। तमिलनाडु में अरिहंतगिरी जैन मठ में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव

औरंगाबाद. शाबाश इंडिया। तमिलनाडु के तिरुमलाई में अरिहंतगिरी जैन मठ में परम पावन तपश्चर्य चक्रवर्ती, चतुर्थ पट्टाधीश आचार्य सुविधिसागर द्वारा रचित और अनुवादित डेढ़ सौ ग्रंथों का श्रुतार्चना उत्सव मनाया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि पुस्तकों का

प्रकाशन 30 अप्रैल को श्री सर्वथसिद्धि जिनालय पंचकल्याणक प्रतिष्ठान महोत्सव के तहत होगा। महोत्सव में देश-विदेश की संस्थाएं और गणमान्य लोग शामिल होंगे और इस ग्रंथ प्रकाश को लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, इंटरनेशनल रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया जाएगा। यह सर्वोच्च और पहली बार होगा जब जैन धर्म के 150 अनुवादित और रचित ग्रंथ एक साथ प्रकाशित होंगे। इस पंचकल्याण प्रतिष्ठान उत्सव एवं पुस्तक प्रकाशन के साक्षी बनें। आचार्य श्री आदिसागर, आचार्य श्री महावीर कीर्ति एवं परम तपस्वी आचार्य सन्मतिसागर महाराज के आशीर्वाद से महोत्सव का संचालन भट्टारक चिंतामणि, डॉ. स्वस्ति श्री पट्टाचार्य धवल कीर्तिजी भट्टारक स्वामी ने किया है।

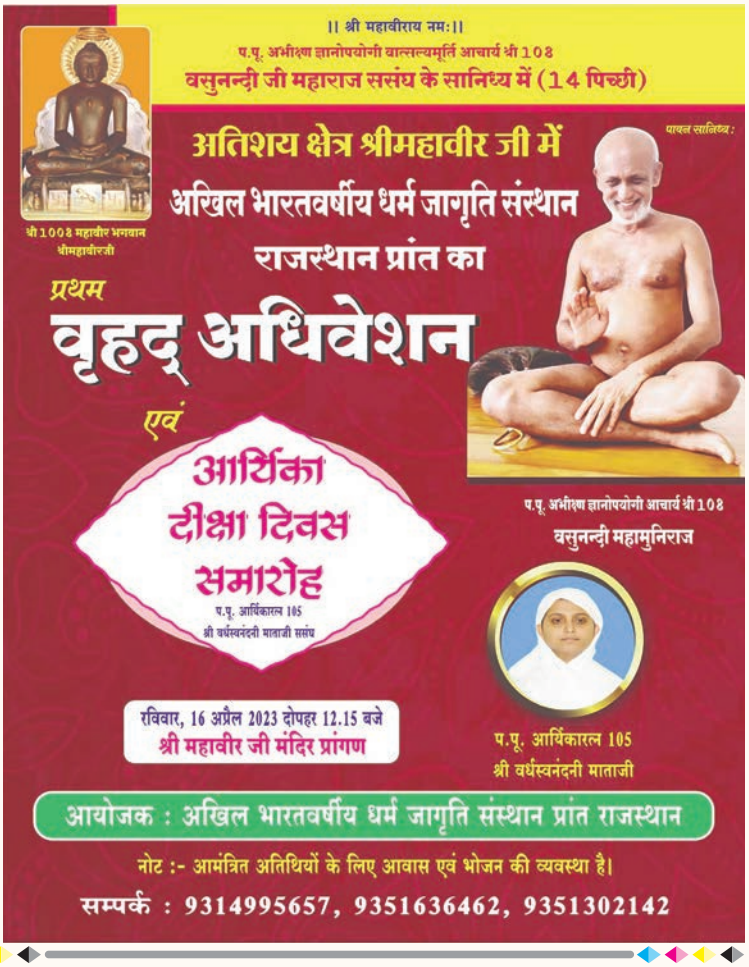

वेद ज्ञान

ईर्ष्या से सदैव रहें दूर

जीवन में अनचाहे ही कई बार व्यक्ति दूसरे व्यक्ति से ईर्ष्या करने लगता है। इस स्थिति में व्यक्ति का आत्मनियंत्रण चूक जाता है। अधिकांश लोग वैचारिक रूप से श्रेष्ठ बनने का प्रयास करते हैं। वे विचारों में सभी मानवीय गुणों से प्रभावित होकर उन्हें जीवन में अपनाने की इच्छा पालते हैं, लेकिन जीवन की व्यावहारिक स्थितियां अत्यंत कष्टकारी होती हैं। इसलिए व्यक्ति लाख चाहने पर भी मानवीय गुणों का अनुसरण नहीं कर सकता। मानवीय जीवन की अच्छाई-सच्चाई के साथ बने रहने की इच्छा करना और व्यावहारिक जीवन में इस इच्छा पर स्थिर रहना प्रायः दो विपरीत परिस्थितियां होती हैं। अच्छा-सच्चा होने का सिद्धांत वास्तविक जीवन के दुर्गुणों से हार जाता है। ऐसे में मानव का झुंझलाना स्वाभाविक है। इस कारण उसमें भी कई दुर्गुण आ जाते हैं। ईर्ष्या भाव भी इसी का परिणाम है। ईर्ष्या भावना व्यक्ति को उसके मूल स्वभाव से अलग करता है। वह कृत्रिम नकारात्मकता से ग्रसित हो जाता है और परिवेश के मलिन विचारों, उनके आधार पर होने वाले व्यवहारों से चलने लगता है। ऐसे में एक ऐसा उपाय है, जिसके बल पर ईर्ष्या-द्वेष से छुटकारा पाया जा सकता है और भीतर ही भीतर व्यक्ति को कचोटते ईर्ष्या पर नियंत्रण पाया जा सकता है। जिस व्यक्ति से ईर्ष्या-जलन भावना महसूस होने लगे तो उसके उपकार याद करने चाहिएं। उसने जो भी छोटे से छोटा उपकार किया, लोगों की जिस तरह भी सहायता की, उसके बारे में सोचें। यदि कभी किसी ने आपको एक गिलास पानी भी पिलाया हो तो वह भी उस व्यक्ति का आप पर बहुत बड़ा उपकार है। ईर्ष्या से मुक्ति के लिए आप अपने जीवन पर उन व्यक्तियों के उपकार याद करें जिन्होंने कभी न कभी किसी न किसी रूप में आपकी निस्वार्थ सहायता की हो। तब आप उस व्यक्ति के बारे में एक नए सकारात्मक दृष्टिकोण से भर उठेंगे जिससे ईर्ष्या करते हुए आप नकारात्मक ऊर्जा में जलने लगे थे। किसी व्यक्ति के अवगुणों पर आत्ममंथन करने से उसके अवगुण नष्ट नहीं होते, बल्कि आत्ममंथन करने वाला निरंतर बेचैनी और तनाव में फंसता जाता है, जबकि उसी व्यक्ति के उपकार और सद्गुणों को याद करके हम अपने लिए वैचारिक लाभार्जन करते हैं। इससे हमारी संवेदना बढ़ती है। हमारी मानवीय चेतना नवदृष्टि प्राप्त करती है।

संपादकीय

बच्चियों के लिए आज भी आसान नहीं है राह...

शिक्षा की सूरत बदलने को लेकर सरकारें समय-समय पर अनेक नीतिगत फैसले लेती रही हैं और नए कार्यक्रमों की घोषणा करती रही हैं। देश में हाशिये के तबकों के परिवारों की बच्चियों के स्कूलों तक पहुंच सकने के कितने स्तर रहे हैं, उनकी राहों में क्या बाधाएं रही हैं, यह जगजाहिर है। आजादी के बाद से समय-समय पर सरकारों ने लड़कियों की पढ़ाई-लिखाई को लेकर कई तरह की योजनाएं लागू कीं, नीतिगत फैसले किए। लेकिन आज भी कई ऐसे पहलू छूटे हुए हैं, जिनकी वजहों पर गौर करना बहुत जरूरी नहीं समझा गया और जिनके चलते बड़ी तादाद में स्कूली छात्राएं बीच में ही पढ़ाई छोड़ देती हैं। ये वजहें स्कूली पढ़ाई-लिखाई में गुणवत्ता के सवालों से इतर कुछ ऐसी स्थितियों से जुड़ी हो सकती हैं, जिन्हें निजी समस्याओं के तौर पर देखा जाता है, मगर वे स्कूली लड़कियों के जीवन और स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। मसलन, स्कूलों में लड़कियों के लिए साफ-सुथरे शौचालय से लेकर

माहवारी जैसे कुछ बिंदु उनके लिए विशेष इंतजाम की जरूरत को रेखांकित करते हैं। इस लिहाज से देखें तो सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की ओर से राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को यह नोटिस जारी करना बेहद अहम है, जिसके तहत माहवारी स्वच्छता को लेकर एक स्पष्ट नीति बनाने का निर्देश दिया गया है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में दायर एक जनहित याचिका में मांग की गई है कि स्कूलों में छठी से बारहवीं की लड़कियों को मुफ्त सैनिटरी पैड दिया जाए और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग से शौचालय की व्यवस्था की जाए। अनेक अध्ययनों में यह रेखांकित किया गया है कि स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंच की कमी और माहवारी से जुड़े सामाजिक व्यवहार के कारण बहुत सारी लड़कियां स्कूल की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती हैं। शिक्षा की सूरत बदलने को लेकर सरकारें समय-समय पर अनेक नीतिगत फैसले लेती रही हैं और नए कार्यक्रमों की घोषणा करती रही हैं। लेकिन गुणवत्ता आधारित शिक्षा के सवाल के अलावा एक अहम पहलू यह है कि अगर इसमें लड़कियों की पढ़ाई-लिखाई निर्बाध जारी रहने के लिए जरूरी कारकों पर गौर करने के साथ इसमें मौजूदा कमियों को दूर नहीं किया जाता है तो कोई बेहद अहम पहलकदमी भी आधे-अधूरे नतीजे देगी। यह सभी जानते हैं कि किशोरावस्था में लड़कियों को सेहत से जुड़ी किन जटिलताओं का सामना करना पड़ता है और उसके क्या कारण रहे हैं। सच यह है कि आबादी के एक बड़े तबके के बीच सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों से पार निकल कर किसी तरह स्कूल पहुंची लड़कियां माहवारी से उपजी दिक्कत, पीने के साफ पानी और शौचालय जैसी बुनियादी जरूरतों के अभाव से दो-चार होती हैं। माहवारी में स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए जरूरी प्रशिक्षण और संसाधनों के अभाव के चलते वे अपेक्षित सावधानी नहीं बरत पातीं। इसी तरह, स्कूलों में अलग शौचालय का अभाव उनके लिए एक बड़ी समस्या होती है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

शालीनता

दुनिया की सभी संस्कृतियों में बच्चों से स्वस्थ प्यार जताना एक सहज और स्वाभाविक भाव-अभिव्यक्ति है। इससे संवेदनात्मक धरातल पर सामाजिक कड़ियां मजबूत होती हैं और भावी पीढ़ियों के भीतर मानवीय मूल्यों का जरूरी विकास होता है। लेकिन इसके बरक्स एक कड़वी हकीकत यह भी है कि सामाजिक व्यवहार के इसी पहलू को ढाल बना कर कुछ ऐसी अवांछित हरकतें भी की जाती रही हैं, जिसे बच्चों के शोषण के दायरे में भी देखा जाता है। यही वजह है कि जब तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा और एक बच्चे का वीडियो सुर्खियों में आया तो वह किसी को भी अच्छा नहीं लगा। बल्कि वीडियो में जिस तरह दलाई लामा एक बच्चे से प्यार जताने के क्रम में अवांछित तरीके से अतिरिक्त आग्रह करते दिखे, उस पर एक बड़े दायरे में तीखी नकारात्मक प्रतिक्रिया हुई। खबरों के मुताबिक यह घटना करीब डेढ़ महीने पहले की है। उसका वीडियो अब प्रचारित हुआ। लेकिन इसमें जिस तरह की हरकत दिखी, उसे बच्चे के साथ किया शालीन व्यवहार नहीं कहा जा सकता। यही वजह है कि सुर्खियों में आने और इस मामले के तूल पकड़ने के बाद दलाई लामा की ओर से सोशल मीडिया के जरिए माफी मांग ली गई। यह संभव है कि दलाई लामा ने उस बच्चे से जो भी कहा, उनके मुताबिक, उसके पीछे कोई बुरी मंशा नहीं रही हो। लेकिन इस क्रम में जो किया गया, उसे एक सामान्य अभिव्यक्ति कहना मुश्किल है। यों दलाई लामा इससे पहले भी अपने कुछ बयानों की वजह से विवाद में रह चुके हैं। मसलन, एक समय उन्होंने अपनी उत्तराधिकारी किसी महिला के होने के सवाल के जवाब में कहा था कि उस महिला को आकर्षक होना पड़ेगा। इस तरह की बातों या हरकतों पर तभी अफसोस या माफी मांगी जाती है, जब व्यापक पैमाने पर इस पर आपत्ति सामने आए। किसी जानी-मानी हस्ती या धर्मगुरु जैसे पद-कद वाले व्यक्ति के सार्वजनिक रूप से ऐसे विचित्र व्यवहारों के पीछे कोई तर्क ढूंढ़ना मुश्किल है। सवाल है कि किसी बच्चे के साथ उनके किस बर्ताव को निश्छल प्रेम की अभिव्यक्ति माना जाए! दिखने में संवेदनात्मक व्यवहार के पीछे की मंशा को समझ पाना कई बार परिपक्व समझ वाले लोगों के लिए भी मुश्किल होता है। खासतौर पर कोई बड़े कद-पद वाला व्यक्ति हो तो मासूम बच्चे उसके व्यक्तित्व की आभा के बोझ से पहले ही मानसिक रूप से दबे होते हैं, इसलिए कई बार वे खुद को अप्रिय लगने के बावजूद मना नहीं कर पाते या फिर जरूरी प्रतिरोध नहीं जता पाते। यह छिपा नहीं है कि बाल यौन दुर्व्यवहार या उनके शोषण के अनेक जटिल रूप रहे हैं। विडंबना यह है कि बच्चों की मासूमियत का फायदा उठा कर उनके साथ कई बार ऐसी गलत हरकतें की जाती हैं, जिनके पीछे छिपी मंशा को बच्चे नहीं समझ पाते हैं। जहां तक धर्मगुरुओं का सवाल है तो किसी खास मत या पंथ के अनुयायियों के भीतर अपने गुरुओं के प्रति जो आस्था होती है, उसे ही मनोवैज्ञानिक दबाव का हथियार बना लिया जाता है। यही वजह है कि कई बार लोग अवांछित हरकतों पर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दे पाते। अक्सर ऐसी खबरें आती रही हैं, जिनमें कुछ गिरजाघरों में पादरियों या अन्य लोगों द्वारा बड़े पैमाने पर बच्चों के यौन शोषण के बारे में बताया जाता है। ऐसी स्थिति में दलाई लामा का व्यवहार अगर निर्दोष है, तो भी ऐसे अशालीन बर्ताव से बचने की जरूरत है, क्योंकि इसके असर का आकलन इस आधार पर होगा कि आम लोगों के बीच ऐसे व्यवहार को किस रूप में देखा, समझा और बरता जाएगा!

दिक्षार्थी की बिंदोरी व गोद भराई आज सायकाल 7 बजे से श्री दिगम्बर जैन मंदिर पार्श्वनाथ जी सोनियान, जयपुर में

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य गणिनी आर्यिका 105 विशा श्री माता जी के कर कमलो से चार जैनेश्वरी दीक्षा 1 मई, 2023 को कलकत्ता में प्रदान की जायेगी। उनमें से एक दीक्षार्थी आदरणीय विपिन दीदी की बिंदोरी व गोद भराई का भव्य कार्यक्रम साधु सेवा अक्षय निधि ट्रस्ट परिवार एवं श्री दिगंबर जैन मंदिर पार्श्वनाथजी सोनियांन परिवार द्वारा आयोजित किया जा रहा है। **भव्य बिंदोरी व गोद भराई कार्यक्रम इस प्रकार होगाः** शुक्रवार दिनांक 14 अप्रैल 23, भव्य बिंदोरी- सांय 7.00बजे, बिलाला गार्डन, पुराना आमेर रोड, जयपुर से पानो का दरीबा होते हुए मन्दिर श्री पार्श्वनाथ जी सोनियान खवास जी का रास्ता जयपुर पहुंचेगी। गोद भराई- रात 8.00बजे, मंदिर पार्श्वनाथजी सोनियान जयपुर मे सभी गुरु मां भक्त जनों से निवेदन है कि उक्त गोद भराई कार्यक्रम में सम्मिलित होकर धर्म लाभ प्राप्त करें।

तीर्थ यात्रियों ने किए लाडनूं के भव्य मंदिर के दर्शन

राज पाटनी. शाबाश इंडिया।

लाडनूं। लाडनूं के जैन मंदिर अपनी प्राचीनता व कला वैभव के कारण देशभर के श्रद्धालुओं के लिए श्रद्धा व आकर्षण के केंद्र रहे हैं। इसी क्रम में जयपुर और उदयपुर से आये यात्रियों ने लाडनूं के जैन मंदिरों के दर्शन किए। 2 बसों में आये लगभग 100 यात्रियों ने यहां के विभिन्न मंदिरों में दर्शन, वंदना, शांतिधारा, अभिषेक व पूजन किये। जैन समाज के सदस्य राज पाटनी ने बताया कि यात्रीगण यहां के मंदिरों की प्राचीनता भव्यता व कलात्मकता से अत्यंत प्रभावित हुए और उन्होंने कहा कि वे आगे भी बार-बार लाडनूं के जिनालयों के दर्शन के लिए आना चाहेंगे।

शाबाश इंडिया

प्रस्तुत करते हैं

स्थापना दिवस विशेषांक

ग्लेज्ड पेपर पर प्रकाशित... आकर्षक छपाई... पूर्णतया रंगीन

अपनी स्थापना के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शाबाश इंडिया 27 अप्रैल 2023 को 'स्थापना दिवस विशेषांक' प्रकाशित करने जा रहा है। इसमें व्यापार-व्यवसाय, अर्थ जगत, राजनीति एवं सम-सामयिक विषयों पर विश्लेषणात्मक आलेख प्रकाशित किए जाएंगे जो इसे एक संग्रहणीय अंक बनाएंगे।

विज्ञापनदाताओं के लिए एक सुनहरा अवसर

उच्च स्तरीय ब्रांडिंग	टारगेटेड एडवरटाइजिंग	विश्वसनीयता	आकर्षक छपाई
राज्य के प्रमुख शहरों में प्रबुद्ध पाठक वर्ग होने से उच्च स्तरीय ब्रांडिंग का एक बेहतरीन विकल्प है।	अधिकतम पाठक मध्यम, उच्च मध्यम एवं उच्च आय वर्ग के हैं, जो विज्ञापन के लिहाज से टारगेटेड कस्टमर होते हैं।	शाबाश इंडिया की निष्पक्ष व तथ्यपरक खबरों से बनी छवि इसके विज्ञापनदाता की विश्वसनीयता को भी बढ़ाती है।	विज्ञापनों की स्पष्ट एवं आकर्षक छपाई के लिए दिल्ली की प्रतिष्ठित प्रेस से ग्लेज्ड पेपर पर पूर्णतया रंगीन प्रकाशित होगा।

स्थापना दिवस विशेषांक में विज्ञापन एवं आलेख प्रकाशित करवाने के लिए सम्पर्क करें :

राकेश गोदिका, प्रधान सम्पादक

मोबाइल: 9414078380, 9214078380 EMAIL rakeshgodika@gmail.com, shabaasindia@gmail.com

जेएसजी इंटरनेशनल फेडरेशन द्वारा नडियाद के भरत आर शाह ग्लोबल अवॉर्ड से लगातार तीसरी बार सम्मानित

मुंबई. शाबाश इंडिया। 19 देशों में 85000 युगल सदस्यों वाली जैनों की दूसरी सबसे बड़ी संस्था जैन सोशल ग्रुप्स इंटरनेशनलफेडरेशन का 19वां पुरस्कार समारोह मुंबई महाराष्ट्र में आयोजित किया गया। जिसमें भरत आर. शाह, समिति अध्यक्ष, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, जैन सामाजिक समूह इंटरनेशनल फेडरेशन, नडियाद को उनके विशेष योगदान के लिए, सुनील सिंघी, अल्पसंख्यक आयुक्त (दिल्ली) और ललित शाह, अध्यक्ष के हाथों सर्वश्रेष्ठ समिति अध्यक्ष का वैश्विक पुरस्कार प्रदान किया गया। स्थानीय जैन समुदाय नदियाद के मूल निवासी भरत आर शाह के लिए लगातार तीसरी बारउपलब्धि प्राप्त करने पर गर्व महसूस कर रहा है। भरत आर शाह जैन अल्पसंख्यकों के लिए JITO, भारतीय जैन संगठन और JIO और जैन एज्यूकेशन एंड एम्पावर ट्रस्ट (सूरत) जैसे अन्य संगठनों के कार्यों में भी जुड़े हुए हैं।

''किंडर केयर गुरसिख बच्चा ऑफ इण्डिया'' बने सिमरजीत और मन्नत कौर सम्मानित हुये

जयपुर. शाबाश इंडिया

कौन बनेगा गुरसिख बच्चा संस्था (केबीजीबी) द्वारा ''खालसा सर्जना पर्व - वैसाखी'' के उपलक्ष्य पर आयोजित 'ऑनलाइन किंडर केयर गुरमत क्विज-2023' में देशभर से प्राप्त सही एंट्री में से रैंडम बेसिस से चुने गए 16 भाग्यशाली गुरसिख बच्चों में जयपुर के नीरजा मोदी इंटरनेशनल स्कूल की कक्षा-1 की 7 वर्षीय मन्नत कौर सुपुत्री जसजोत सिंह भी है। दूसरा गुरसिख बच्चा है गुरुनानक देव स्कूल का कक्षा -7 का विद्यार्थी 12 साल के सिमरजीत सिंह सुपुत्र रघुवीर सिंह, जिन्होंने 'किंडर केयर गुरसिख बच्चा ऑफ इंडिया' का खिताब जीत जयपुर का मान बढ़ाया है। राज खालसा ऐड के प्रधान, सरदार जसबीर सिंह चावला ने 'बोले सो निहाल सत श्री अकाल' के जैकारे के साथ मन्नत और सिमरजीत को ट्रॉफी और

सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। इस सम्मान समारोह में केबीजीबी संस्था के अध्यक्ष ओंकार सिंह, क्विज कन्वीनर सुरेंद्र सिंह, सचिव सुखदेव सिंह, नंदपुरी गुरुद्वारे के मेहरबान सिंह, गुरद्वारा गुरुनानक पूरा के जसबीर सिंह, खालसा ऐड के उपाध्यक्ष भाई रतन सिंह, बलजीत और हरविंदर सिंह पप्पु ने बच्चों के परिजनों के साथ शिरकत की। जयपुर के बाहर के शेष सभी 14 गुरसिख बच्चों को ट्रॉफी एवं सर्टिफिकेट कोरियर और मेल द्वारा उनके पते पर भेजे जा रहे हैं।

सखी गुलाबी नगरी ने गायों को चारा खिलाया

जे के लोन हॉस्पिटल में गरीबों को नाश्ता कराया

जयपुर. शाबाश इंडिया। सखी गुलाबी नगरी द्वारा सामाजिक कार्यक्रम के तहत दिनांक 14 अप्रैल 2023, को गोशाला गलतागेट, दिल्ली रोड गायों को चारा व गुड़ खिलाया एवं जे के लोन हॉस्पिटल में गरीबों को नाश्ता कराया गया। अध्यक्ष सारिका जैन ने बताया कि आज के कार्यक्रम में सहयोग सखी सदस्य संतोष ने अपने पति की पुण्य स्मृति मे किया। जिसमें उपाध्यक्ष सुषमा जैन, कार्यकारिणी सदस्य सुनीता कसेरा व सदस्य मधु , मोनिका एवं सुनीता भी उपस्थित थी।

परमपूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद
एवं पूज्य मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज की प्रेरणा से संस्थापित

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान
के अन्तर्गत संचालित
संन्त श्री सुधासागर महाविद्यालय एवं छात्रावास
संघी जी मंदिर, सांगानेर जयपुर 302029 (राज.)

प्रवेश सूचना

सादर जय जिनेंद्र

सभी को सूचित करते हुए परम हर्ष हो रहा है कि श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के अंतर्गत संचालित संत श्री सुधासागर बालिका महाविद्यालय एवं छात्रावास का नवीन सत्र 1 जुलाई 2023 से प्रारंभ हो रहा है।संस्थान में दसवीं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थी (जो प्रवेश के इच्छुक हैं वे) संस्थान द्वारा आयोजित चतुर्दिवसीय शिविर में सम्मिलित होकर प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं ।

1. दिनांक : 20 अप्रैल से 22 अप्रैल 2023
   स्थान : महाराष्ट्र
   संपर्क सूत्र : स्वरुपा पाटील यड्रावकर 9822837555
   भरत मरजे – 9922809051
   भरत किनिंगे – 9822238573
   अर्चना मगदूम – 9552573949
2. दिनांक : 11 मई से 14 मई 2023
   स्थान : श्री दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर, दमोह, मध्य प्रदेश
3. दिनांक : 15 जून से 18 जून 2023
   स्थान : श्री दिगंबर जैन मंदिर संघी जी सांगानेर संत सुधासागर बालिका महाविद्यालय एवं छात्रावास सांगानेर

संपर्क सूत्र

अधिष्ठात्री
शीला जैन डोंड्या
मो. 9314173436

निर्देशिका
डॉ. वंदना जैन
मो. 9351425177

व्यवस्थापक
ज्ञानू मति जैन
मो. 8890589298
अंतिमा जैन
मो. 8952012323

Design : AnupamJainKaushambi 8209888076

आसिफ नियाजी ग्रुप की सूफी संगीत संध्या ने बांधा समां

री बर्थिंग फॉर्म्स ऑफ स्कल्पचर एंड पेंटिंग इंटरनेशनल सिम्पोजियम में देश दुनिया के कलाकारों ने उठाया लुत्फ

उदयपुर. शाबाश इंडिया

झीलों की नगरी में इन दिनों देश दुनिया के अलग अलग हिस्सों से आए बीसियों कलाकार एक साथ मिलकर सपनों के रचनात्मक संसार को साकार रूप देने में संलग्न हैं। गौरतलब है कि पायरोटेक वर्कस्पेस सॉल्यूशंस और स्प्रिंट आर्ट गैलरी के साझे में आयोजित सात दिवसीय ₹री बर्थ फॉर्म्स ऑफ स्कल्पचर एंड पेंटिंग₹ इंटरनेशनल सिंपोजियम में शुक्रवार की शाम सभी कलाकारों सहित आमंत्रित अन्य कई गणमान्य लोगों ने आसिफ नियाजी ग्रुप के सुरों की महफि ल में सूफी संगीत का आनन्द उठाया। अल सुबह से दिनभर कैनवास पर रंग बिखेरने में डूबे और स्क्रैप से नायाब कृतियां गढ़ने वाले तमाम

सृजन शिल्पी शाम ढलने से रात गहराने तक शेरो शायरी और गीत बंदिशों में डूबते गहराते रहे। बता दें, सुरों और संगीत की यह महफि ल डाकन कोटड़ा टोल प्लाजा स्थित होटल बादाम पैलेस प्रथानिया कंफर्ट स्टे परिसर में आयोजित हुई। आयोजक डॉ. निर्मल यादव ने बताया कि सूफियाना महफिल में आसिफ नियाजी ने कई मशहूर शायरों के कलाम सुनाकर खासी दाद पाई। इस अवसर पर विभिन्न विधाओं में सृजन करने वाले सीनियर आर्टिस्ट सहित पायरोटेक से पुनीत तलेसरा और कनिष्का तलेसरा, देवास के ख्यात छायाकार कैलाश सोनी, स्वतंत्र छायाकार और आर्टिस्ट दिनेश कोठारी, मुंबई की उभरती टीवी आर्टिस्ट मेघना पांचाल, वरिष्ठ फोटो पत्रकार राकेश शर्मा 'राजदीप', सुमित रंजन शर्मा, सूरज सोनी, चांदनी, दिनेश उपाध्याय, हेमंत जोशी, हेमंत मेहता, राजेश यादव, डॉ.चित्रसेन, दुर्षित भास्कर, मंदीप मीरा, इति कछावा, शर्मिला राठौड़, कमलेश डांगी, भावेश सुथार सहित अन्य कई मौजूद थे। क्यूरेटर डॉ. मनीषा सांचीहर ने बताया कि 17 अप्रैल को पायरोटेक वर्क स्पेस सॉल्यूशंस परिसर में सभी कृतियों का प्रदर्शन कर कैंप का समापन होगा। **रिपोर्ट/फोटो: राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइल:9829050939**

दिव्या को क्वीन ऑफ चित्तौड़ अवार्ड से सम्मानित किया गया

चित्तौड़. कासं। पर्यावरण संरक्षण व सामाजिक चेतना का अभियान चला रही पर्यावरण मित्र ,नेशनल यूथ अवार्डी दिव्या कुमारी जैन को उसके द्वारा चलाये जा रहे पर्यावरण संरक्षण व सामाजिक चेतना अभियान के लिए विश्व महिला दिवस कार्यक्रम के तहत रश्अ ग्रुप द्वारा क्वीन ऑफ चित्तोड अवार्ड से सम्मानित किया गया। दिव्या ने इस अवार्ड के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया व कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की प्रमुख आवश्यकता है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जैन प्रीमियर लीग का नेहरू स्टेडियम में भव्य आगाज

पहला मैच डायमंड ग्रुप ने 81 रनों से जीता

देशभर के 16 रीजनों के माध्यम से चुनी गई टीमों का फाइनल इंदौर में होगा

संजीव जैन संजीवनी. शाबाश इंडिया

इंदौर। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन की बहुप्रतीक्षित क्रिकेट प्रतियोगिता ''मोयरा JPL इंदौर रीजन'' का भव्य शुभारंभ 14 अप्रैल, शुक्रवार को प्रातः 9 बजे नेहरू स्टेडियम, इंदौर में मुख्य अतिथि, प्रसिद्ध भारतीय खिलाड़ी अमय खुरासिया , खदछ इंदौर लीग संरक्षक स्वप्निल कोठारी, धर्मेंद्र जैन, सिंकॉम, (समाजसेवी), फेडरेशन की राष्ट्रीय शिरोमणि संरक्षक श्रीमती पुष्पा प्रदीप कासलीवाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश जैन विनायका,महासचिव विपुल बाँझल के सानिध्य में किया गया। इस अवसर पर दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, महामंत्री सुशील पंड्या, महावीर ट्रस्ट अध्यक्ष अमित कासलीवाल, महामंत्री बाहुबली पण्ड्या, राष्ट्रीय चेयरमेन राजीव गिरधरवाल, राष्ट्रीय समन्वयक संदीप पहाड़िया ,पूर्व अध्यक्ष विमल जी अजमेरा विशेष रूप से मौजूद रहे। जैन प्रीमियर लीग इंदौर रीजन JPL चेयरमैन लोकेन्द्र गंगवाल, अध्यक्ष वितुल अजमेरा , सचिव रितेश पाटनी, एवं कोषाध्यक्ष अतुल गोइल के नेतृत्व में आयोजित है। कार्यक्रम के प्रारंभ में इंदौर रीजन की सभी 16 टीमों के द्वारा मार्च पास्ट निकाला गया। राष्ट्रीय महासचिव विपुल बाँझल एवं राजेंद्र सोनी ने प्रमुख अतिथि के साथ सभी 16 टीम के 256 खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया, इस अवसर पर रंग-बिरंगे गुब्बारों को हवा में छोड़कर वातावरण को उत्साहजनक बना दिया गया था। फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश जैन विनायका ने अपने उद्बोधन में संस्थापक अध्यक्ष स्व.श्री प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल को याद करते हुए बताया कि उनकी भावना युवाओं को समाज और राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़ना रहता था। फेडरेशन में खेल, सभ्यता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसी महत्वपूर्ण गतिविधि वर्ष भर आयोजित की जाती हैं। इस वर्ष 2023 में पूरे देश में फेडरेशन के 16 रीजनों के माध्यम से 80 से अधिक टीमें अलग अलग राज्यों में यह JPL टूर्नामेंट खेल रही है। जे पी एल का फाइनल इंदौर में ही आयोजित किया जाएगा। क्रिकेट का यह आयोजन फेडरेशन के सभी साथियों में उत्साह और ऊर्जा का संचार करेगा। संरक्षक स्वप्निल कोठारी ने अपने उद्बोधन में कार्यक्रम के दौरान जैन संस्कृति और सभ्यता का पालन किए जाने पर हर्ष व्यक्त किया और कहा कि खेलों की शुरूआत मंगलाचरण और विश्व शांति की कामना के साथ होना अत्यंत सुखद है।

श्री पार्श्वनाथ जिनालय की 21 वीं वर्षगांठ भव्य समारोह पूर्वक मनाई गई

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर सोनी कॉलोनी की स्थापना को 21 वर्ष हो चुके हैं इसका वार्षिक उत्सव आज भव्य समारोह पूर्वक मनाया गया। मंदिर के संयोजक डॉ डी.के. जैन ने बताया कि क्षुल्लक105 विश्व प्रभु सागर जी के सानिध्य में भक्तों ने प्रभु पारसनाथ का अभिषेक शांति धारा एवं पूजन की साथ ही जिनालय में चल रही पाठशाला के लिए मंगल कलश स्थापित किए गए विगत वर्ष मैं कलश स्थापित करने वालों को सम्मानित कर कलश प्रदान किये गये। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष नीरज मनोरिया थे। जैन समाज के अध्यक्ष रमेश चौधरी, उपाध्यक्ष महेंद्र कडेसरा,महामंत्री भानु चौधरी, महावीर तरावली, वीरेंद्र अथाईखेड़ा आदि ने शांतिधारा करने वाले डॉ. डी.के. जैन अंचल जैन, रमेश चंद राजेश कुमार तारई ,नरेंद्र कुमार सुरेंद्र कुमार करैया, सौरभ कुमार अतुल कुमार सिंघई, सुभाष जैन कैंची बीड़ी, महेंद्र कुमार, अनिमेष, अनिकेत कडेसरा, एस.के. जैन, प्रकाश चंद मनोज कुमार रन्नौद, रतनलाल तरावली, सुयोग भूसा सहित अन्य दानदातारों का सम्मान किया। संपूर्ण कार्यक्रम नयन भैया जी के सानिध्य में अंकित गुना एवं शैलेन्द्र श्रंगार की स्वर लहरियों के मध्य संपादित हुआ।

भारत रत्न डा भीमराव अम्बेडकर जयंती शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा की

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया।
भारत के संविधान निर्माता, भारत रत्न, बाबा साहब डाः भीमराव अम्बेडकर जयंती की शोभायात्रा पर सबकी सेवा सबको प्यार जीवों और जीने दो के उद्देश्य से चलने वाली संस्था महावीर इंटरनेशनल संस्था परिवार द्वारा आज 14 /4/23 शुक्रवार को आयोजित जूलूस पर सुबह 10 बजे पप्पु मार्केट, सेवा समिति की गली की नुक्कड़ पर पुष्प वर्षा करते संस्था के वीर गवनिर्ग काउसिल मेम्बर वीर सुभाष पहाड़ियां ,अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल, सचिव वीर अजित पहाड़ियां ,कोषाध्यक्ष वीर सुरेशकुमार, जैन युथ अध्यक्ष वीर आनंद सेठी, वीर भानु प्रकाश अचिंत्य, वीर प्रदीप कुमार काला ,वीर अशोक अजमेरा, वीर रतनलाल मेधवाल ,वीर संदीप पाडया ,मुरलीधर गोयल छोटुराम, बंसीलाल, अनिल कुमावत, मुकेश झांझड़ा ने पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा में शामिल सभी जन का स्वागत किया ।

महिला मंडल की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

नए संकल्पो के साथ नई अध्यक्ष का चयन

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। अखिल भारतीय विजयवर्गीय (वैश्य) महिला संगठन के वर्तमान सत्र की कार्यकारिणी की बैठक बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में विजयवर्गीय वैश्य धर्मशाला में राष्ट्रीय अध्यक्ष नम्रता विजयवर्गीय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। महिला मंडल की प्रदेशाध्यक्ष आभा गांधी ने बताया कि मीटिंग में पुरे भारत के महिला मंडल के कार्यकारिणी सदस्यों ने भाग लिया । बैठक में वर्तमान कार्यकारिणी के द्वारा अपने कार्यकाल में किए गए क्रियाकलापों का विवरण एवं आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुतीकरण तथा नए अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया संपन्न कराई गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि आशा कैलाश विजयवर्गीय थी। महिला मंडल की संस्थापक सावित्री विजय, निवर्तमान अध्यक्ष प्रभा विजय, उज्जैन शहर अध्यक्ष दमयानी विजय मंचासीन थी । इससे पूर्व अतिथियों ने स्वामी रामचरण महाराज की तस्वीर पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। मंच संचालन संगीता प्रमेंद्र विजय ने किया। विभिन्न प्रदेश की अध्यक्षों ने अपनी अपनी रिपोर्ट पेश की। राष्ट्रीय सचिव ने सचिवीय प्रतिवेदन पढ़ा। कोषाध्यक्ष जूली विजय ने आय व्यय का ब्योरा पेश किया। आभार ने व्यक्त किया। इस अवसर पर महिला मंडल के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए ममता चौधरी नई दिल्ली को सर्वसम्मति से चुना गया जिसे सदन ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच स्वागत किया।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर की धार्मिक यात्रा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर जयपुर की धार्मिक यात्रा में जयपुर से सांगानेर, वाटिका, लाखणा,फागी होते हुये मालपुरा गये। मालपुरा प्रातः5-45पर पहुंच कर मूल नायक भगवान आदिनाथ की प्रतिमा पर सभी सदस्यों ने अभिषेक किये । बाद में ऊपर की मंजिल की सभी वेदियो के दर्शन कर भूतल में स्थित पार्श्वनाथ की वेदी व दूसरी तरफ रत्नों की वेदियों के दर्शन किये। सदस्यों ने पूजा-पाठ किया। तीर्थंकर ग्रुप के अध्यक्ष डां.एम.एल जैन 'मणि' व डां शान्ति जैन 'मणि' ने आदिनाथ विधान किया । बाद में मालपुरा के अन्य मंदिरों के दर्शन किये। आते समय फागी के जैन मंदिरों के दर्शन किये। ग्रुप अध्यक्ष डां.एम.एल जैन मणि ने सभी का आभार व्यक्त किया।

देहदानी स्व. रामदास मंत्री की स्मृति में आयोजित रक्तदान शिविर में 107 यूनिट रक्त एकत्र

जयपुर. शाबाश इंडिया। देहदानी स्व. रामदास मंत्री गणगौर बेसन की पूण्य स्मृति में विद्याधर नगर स्थित श्री माहेश्वरी समाज के जनोपयोगी भवन उत्सव में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में समाजबंधुओं ने उत्साह दिखाते हुए बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। इस दौरान शिविर में करीब 107 यूनिट रक्तदान किया। शिविर संयोजक आशीष मंत्री ने बताया कि देहदानी स्व. रामदास मंत्री अपने पूरे जीवन काल में रक्तदान, नेत्रदान और देहदान जैसे पुनीत कार्यों में सक्रिय रहे। उनके द्वारा चांदपोल मोक्षधाम में सर्व समाज को दी गयी सेवाओं के चलते वे आज भी सबकी स्मृतियों में बने हुए हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट व गणगौर उत्पाद के किट देकर सम्मानित किया। शिविर में मानव सेवा ब्लड बैंक ने सेवाएं प्रदान की गई।